

शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय, पोखरी, क्वीली, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

S.B.C. Govt. Degree College, Pokhri Quili, Tehri Garhwal Uttarakhand 249146

(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल से सम्बद्ध)

Website: www.gdcpokharitehri.in

Email-gdcpokhritehri@yahoo.com



विभागीय परिषद आख्या

दिनांक 23/03/2023 को शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय, पोखरी, पट्टी क्वीली, टिहरी गढ़वाल की प्राचार्य डॉ० शशिबाला वर्मा के निर्देशन में भूगोल विभाग द्वारा भारत द्वारा जी 20 की अध्यक्षता करने के अवसर पर **जलवायु परिवर्तन और आयाम** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं छात्र छात्राओं हेतु निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ० सुमिता पंवार द्वारा जी 20 की थीम **वासुदेव कुटुम्बकम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य** के बारे में बताया और साथ ही **जलवायु परिवर्तन और आयाम** विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के छायाचित्र



शहीद बेलमती चौहान राजकीय महाविद्यालय, पोखरी, क्वीली, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

S.B.C. Govt. Degree College, Pokhri Quili, Tehri Garhwal Uttarakhand 249146

(श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल से सम्बद्ध)

Website: www.gdcpokharitehri.in

Email-gdcpokhritehri@yahoo.com



भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रायें



इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा० राम भरोसे द्वारा भी अपने संबोधन में जी 20 सम्मेलन से विश्व स्तर पर भारत की पहचान तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ० विवेकानंद भट्ट, डॉ० मुकेश सेमवाल, डॉ० बंदना सेमवाल, श्रीमती सरिता सैनी, श्री अंकित सैनी, कु० अमिता, श्रीमती सुनीता, छात्र छात्राओं में नरेश, काजल, निकिता, शालनी, नरेंद्र, मनीष, मनीषा, प्रदीप, सिमरन, अंजली आदि उपस्थित थे। भाषण प्रतियोगिता में कुमारी सिमरनबी. ए.तृतीय वर्ष प्रथम स्थान, कुमारी रितिका बीए प्रथम सेमेस्टर द्वितीय स्थान एवं कुमारी काजल बीए प्रथम सेमेस्टर तृतीय स्थान पर रही। निबन्ध प्रतियोगिता में कु० अक्षा बी० ए० द्वितीय वर्ष-प्रथम स्थान, कु० रितिका बी० ए० प्रथम सेमेस्टर-द्वितीय स्थान एवं कु० सिमरन गुसाईं बी० ए० तृतीय वर्ष तृतीय स्थान पर रहीं।

(डा० सुमिता पवारं)
प्रभारी
भूगोल विभाग